

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

राज्यपाल रोटरी क्लब के स्थापना दिवस में सम्मिलित हुए
रोटरी क्लब कुष्ठ पीडितों के सशक्तिकरण के लिये भी कार्य करें - राज्यपाल

लखनऊ: 24 जुलाई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज विश्वैसरीया प्रेक्षागृह में आयोजित रोटरी क्लब लखनऊ के 78वें स्थापना दिवस में कहा कि रोटरी क्लब के सदस्य कुष्ठ पीडितों की बस्ती व उनके सशक्तिकरण के लिये भी कार्य करें। अपने अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें समाचार पत्र के माध्यम से लखनऊ की एक कुष्ठ पीडित बस्ती के सदस्यों की पीड़ा की जानकारी हुई। कुष्ठ पीडितों की पीड़ा थी कि उन्हें भजन के लिये कोई नहीं बुलाता। समाचार पढ़कर राजभवन में अक्षय तृतीया के अवसर पर कुष्ठ पीडितों को भजन संध्या के लिए आमंत्रित किया गया। कुष्ठ पीडितों की भजन मण्डली के मुखिया ने जब धन्यवाद ज्ञापित किया तो उनके साथ-साथ श्रोताओं की आंखों में भी आंसू आ गये। उन्होंने कहा कि खुशिया बांटने से बढ़ती है और दुःख बांटने से कम होता है।

श्री नाईक ने कहा कि लखनऊ रोटरी क्लब का 78वाँ स्थापना दिवस है। जब स्वयं से तुलना करता हूँ तो मैं चार वर्ष बड़ा हूँ। रोटरी क्लब विश्व का सबसे बड़ा संगठन है जहाँ सब मिलकर समाज के उत्थान के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य समाज को आधार देने का काम करते हैं और रोटरी क्लब इन दोनों क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि रोटेरियन्स में स्नेह और बन्धुत्व का भाव दिखता है तथा उनका सेवा भाव गर्व का विषय है।

राज्यपाल ने कहा कि समय का सही प्रबंधन तथा समय के अनुसार चलने से जीवन सफल होता है। सामाजिक कार्य करने वाले लोग योजनाबद्ध तरीके से काम करें। जीवन का आनन्द लेना है तो स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करना चाहिए। योग सबसे सस्ता व्यायाम है जो शरीर के साथ-साथ मन को भी समाधान देता है। उन्होंने कहा कि वे अपने विद्यार्थी जीवन में ग्यारह साल निरन्तर सूर्य नमस्कार करते रहें जिसके फलस्वरूप मजबूत इच्छाशक्ति के कारण कैंसर जैसी बीमारी पर भी विजय पायी। उन्होंने कहा कि योग की विशेषता को पहचान कर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है।

रोटरी क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ० सुल्तान शाकिर हाशमी ने बताया कि रोटरी क्लब हर साल एक नयी थीम के साथ काम करती है तथा निःस्वार्थ सेवा का नारा देती है। इस वर्ष का नारा है, 'हम दुनिया को क्या दे सकते हैं'। यह विचार करने की बात है कि अपने व्यवहार से दूसरों को कैसे खुशियाँ बांटे तथा गरीब से गरीब इन्सान तक कैसे पहुँचे। सिर्फ लिखना-पढ़ना साक्षरता नहीं है। उन्होंने कहा कि बुद्धि का विकास होना चाहिए।

राज्यपाल ने इस अवसर पर रोटरी क्लब की पत्रिका 'चक्र' का लोकार्पण किया।



